Nai Dunia (Indore), 06th June 2014, Page - 17

आईआईटी इंदौर की कन्वोकेशन सेरेमनी में शामिल हुए डॉ. कलाम

चुनौती स्वीकारो, लड़ो और जीतो

इंदौर। 'आज आप ग्रेजुएट हो रहे हैं। मैं आपको भविष्य के लिए दो मैसेज देना चाहता हूं। पहला- अब आपको ये सोचना चाहिए कि मैं सोसायटी के लिए क्या कर सकता हूं। दूसरा- आप आईआईटी इंदौर को प्राउड फील कैसे करवा सकते हैं। आप चुनौती को स्वीकारो, उससे लड़ो और फिर जीत हासिल करो।'

सफलता के ये दो मंत्र पूर्व राष्ट्रपति व भारत रत्न डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम ने दिए। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर के दूसरे दीक्षांत समारोह (कन्वोकेशन सेरेमनी) में बोल रहे थे। दोपहर 2.30 बजे आईआईटी सिमरोल कैंपस में डॉ.कलाम पहुंचे।

117 को डिग्री, 6 को पीएचडी

दीक्षांत समारोह में कुल 117 बीटेक स्टूडेंट्स को डिग्री प्रदान की गई। पहली बार पासआउट हो रहे 6 स्कॉलर को पीएचडी दी गई। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की समिता रेड्डी को गोल्ड मेडल मिला। कंप्यूटर साइंस में हर्षित अग्रवाल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एन. स्वाति व मैकेनिकल इंजीनियरिंग में जीत अशोक पेसवानी को सिल्वर मेडल से नवाजा गया। हर्षित को बेस्ट बीटेक प्रोजेक्ट के लिए भी अवॉर्ड दिया गया।

डॉ.कलाम ने कहा 'ग्रेजुएट्स इन चार बातों पर करें गौर'

1 एन्वायर्नमेंट
हमें एन्वायर्नमेंट के बारे में सोचने की जरूरत है। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या तेजी से बढ़ रही है।

2 इकोनॉमी
डेवलपमेंट के लिए इकोनॉमी बेहद जरूरी है। इसलिए ग्रेजुएटस को इस बारे में सोचना चाहिए।

3 आइडिया
कुछ नया सोचें। नए आइडिए शेयर करें।

4 पीपल
अच्छे पीपल किस तरह क्रिएट किए जा सकते हैं। इस बारे में काम करने की जरूरत है।

117 स्टूडेंट्स को प्रदान की डिग्री

6 को पीएचडी

प्रोग्राम के बाद दोबारा स्टूडेंट्स से रूबरू हुए कलाम

डॉ. कलाम ने स्टूडेंट्स द्वारा बनाए गए करीब 50 प्रोजेक्ट देखे और उन्हें सराहा। इसके बाद वे स्टूडेंट्स से मिलने पहुंचे। इसके पहले डॉ. कलाम ने आईआईटी के रिसर्च वर्क की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यहां नेशनल व इंटरनेशनल लेवल पर काम किया जा रहा है, यह काफी अच्छी बात है। डायरेक्टर प्रदीप माथुर ने अपनी स्पीच में कहा कि सन् 2009 में संस्थान को नेशनल व इंटरनेशनल लेवल के रिसर्च प्रोजेक्ट मिले।

क्रिएटिविटी बढ़ाएं, यूनिक बनें

कन्वोकेशन सेरेमनी के बाद दोबारा स्टूडेंट्स से रूबरू होते हुए डॉ.कलाम ने कहा कि अपनी क्रिएटिविटी बढ़ाएं और यूनिक पर्सन बनें। उन्होंने हाथ ऊपर उठाकर सामने बैठे स्टूडेंट्स से पूछा कि 'आप यूनिक पर्सन बनना चाहते हैं ना'। सभी ने हां कहा।पांच स्टूडेंट्स ने प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं भी शांत की।

100 % प्लेसमेंट इस बार भी नहीं

आईआईटी इंदौर में इस बार भी सौ प्रतिशत प्लेसमेंट नहीं हुआ। संस्थान की ओर से अभी तक अधिकारिक प्लेसमेंट रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। मंच से डायरेक्टर माथुर ने इस साल 90 परसेंट प्लेसमेंट होने की बात कही। सबसे ज्यादा पैकेज 65 लाख रुपए का शिवानी गुप्ता का बताया जा रहा है। कंप्यूटर साइंस ब्रांच में सबसे ज्यादा सैलरी स्टूडेंट्स को ऑफर हुई।

सेरेमनी : एक नजर में

गोल्ड मेडलिस्ट की बात

कामयाबी के लिए करें हार्डवर्क

कामयाबी हासिल करने के लिए हार्डवर्क काफी जरूरी होता है। मैंने दिल से मेहनत की। इसी का नतीजा मुझे मिला है। सक्सेस पाने के लिए हमें अच्छा सोचना भी जरूरी है। अच्छी थिंकिंग से ही सक्सेस मिल पाती है। पैरेंट्स, टीचर्स के सपोर्ट व मेरी मेहनत ने मुझे गोल्ड मेडल दिलाया।

-समिता रेड्डी, गोल्ड मेडलिस्ट स्टूडेंट

इन्हें मिले सिल्वर मेडल